वार्षिक विवरण 2022-2023

क्राइस्ट हाई स्कूल नौशेरा हमारे बच्चों के सपनों को पोषित करने के वादे को पूरा करता है। इस ड्रीमस्केप में इतनी नई ऊंचाई के पंख फैलाओ। स्कूल की ताकत ने सभी समय के महानतम शिक्षक, संस्थापक सेंट कुरियाकोस एलियास चावरा के नोबेल दृष्टिकोण का अनुवाद करने में शिक्षा के क्षेत्र में कई मील के पत्थर तय किए हैं। शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 कोविड महामारी को प्रकट करने के लिए धीमा था लेकिन क्राइस्टाइज़ को रोकने के लिए कुछ भी नहीं लगता है। इसलिए, हमने उच्च लक्ष्य निर्धारित किए और क्राइस्ट स्कूल के सपने को साकार करने की गति को तेज किया।

उक्त कार्यक्रम में प्रधानाचार्य फादर सुजीत मैथिव नये सत्र 2022-23 का शुभारंभ किया। सभी विद्यार्थियों का विद्यालय के नए सत्र में स्वागत किया। प्रधानाचार्य के अभिभाषण से बच्चों में एक ऊर्जा का प्रभाव हुआ जिससे उनमें अपने नए विषयों को पढ़ने में रुचि जागृत हुई।

शिक्षकों को अध्ययन-रत रखना शिक्षकों के विकास के लिए अत्यावश्यक है और क्राइस्ट स्कूल यह सुनिश्चित करता है कि उसके शिक्षक शिक्षा और उनके संबंधित विषयों में बदलते रुझानों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। प्रयास के हिस्से के रूप में, स्कूल ने सीखने के परिणाम प्राप्त करने, प्रायोगिक शिक्षा और एक प्रभावी शिक्षक कैसे बनें पर 3 दिवसीय फैकल्टी ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया। अत्यधिक जानकार रिकोर्स पर्सन डॉ. एम दिनेश बाबू ने शिक्षकों को उनके कौशल को चमकाने में मदद की। उन्होंने अनुभवात्मक अधिगम की आवश्यकता पर जोर दिया और छात्रों के चार कौशल- सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने को कैसे बढ़ाया जाए, इस पर शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। इसने इन कौशलों को पढ़ाने की रणनीतियों और प्रश्न पत्र तैयार करने के लिए रणनीतियों का उपयोग करने पर भी ध्यान केंद्रित किया। कार्यक्रम बहुत ही जानकारीपूर्ण और उपयोगी था। शिक्षण और सीखने के कार्यक्रमों के अधिक नवीन तरीकों के साथ भविष्य के लिए हमारे प्रदर्शन की गुणवत्ता और योजना का मूल्यांकन करने के लिए नियमित कर्मचारी बैठकें आयोजित की जाती हैं।

क्राइस्ट हाई स्कूल ने हमेशा अपने सीखने के क्षितिज को बढ़ाने के लिए अपने शिक्षकों को विभिन्न मंच प्रदान करने में विश्वास किया है। अप्रैल माह में किंडरगार्टन शिक्षकों के लिए एक एक्सपोजर फैकल्टी ट्रेनिंग प्रोग्राम किंडर डिलाइट करिकुलम इंप्लीमेंटेशन का आयोजन किया गया। श्रीमती प्रिया मनोहर ने किंडरगार्टन कक्षाओं में ध्वन्यात्मकता की व्यावहारिकता पर जोर दिया।

दसवीं कक्षा के पहले सीबीएसई बैच ने अप्रैल के महीने में अपनी टर्म टू परीक्षा पूर्ण किया। जिसमें अच्छे अंक पाकर उन्होंने अपने सफल परिणाम से विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रधानाचार्य जी ने सभी बच्चों को शुभकामनाएँ दी।

फेमिनिन जीनीयस शीर्षक पर आधारित इस कार्यक्रम में विद्यालय की कक्षा पांचवी से लेकर दसवीं तक की समस्त छात्राओं की एक विशेष कक्षा हुई जिसमें विशिष्ट अध्यापिका रोज़ मरिया माथाई जी एवं जीमोल जी ने बालिकाओं के विभिन्न व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के तमाम उपाय बताएं, जिससे कि उनकी तमाम व्यक्तिगत समस्याएं आसानी पूर्वक दूर हो सके। कार्यक्रम की चर्चा का मुख्य उद्देश्य "एडल्टेसन प्रॉब्लम" था।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधानाचार्य जी द्वारा विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं सहित विधार्थियों को आमंत्रित किया गया था। सभी ने तड़के सुबह विद्यालय में उपस्थित होकर प्रमुख योगासनों को किया। योग दिवस के इस मुहिम से समस्त विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में अपने स्वार्थ के प्रति जागरूकता जगी जिससे कि सभी ने इस क्रिया को रोजाना करने का प्रण लिया।

झगंड़ डे, स्वतंत्रता के बाद झगंड़ को पुनः आजादी मिलने के उपलक्ष में मनाया जाता है जो कि ब्रिगेडियर उस्मान को समर्पित है उक्त कार्यक्रम में हमारे विद्यालय के बच्चों की दो टीमों ने अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया तथा कक्षा सातवीं के दो विद्यार्थियों ने अपने भाषण से सभी दर्शकों का मन मोह लिया। उक्त कार्यक्रमों से समस्त प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन हुआ, उन्होंने पुरस्कार भी जीता तथा विद्यालय से बाहर निकलकर समाज में अपने आप को प्रस्तुत किया जिससे उनका मनोबल और भी बढ़ गया।

आजादी का अमृत महोत्सव के संबंध में विद्यालय के समस्त छात्र छात्राओं ने अपने हाथों में तिरंगा लेकर समस्त विद्यालय प्रांगण में लहराया एवं सभी ने देशभक्ति गीतों सहित अंत में राष्ट्रगान से उस सभा का समापन किया। उक्त कार्यक्रम से बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत हुई और उन्हें अपने आजादी के मूल्यों का पता चला। यह दिन उन्होंने वीर सैनिकों को समर्पित किया।

रक्षाबंधन पर्व के शुभ अवसर विद्यालय में देश के रक्षक आर्मी के नौजवानों को आमंत्रित किया गया जिन्हें कि हमारी छात्राओं ने राखी बांधी और उनसे देश की रक्षा में लेटे रहने का शपथ लिया। घर से दूर रहने वाले सभी जवानों के दिल में एक अलग ही खुशी का अनुभव हुआ। इसी क्रम में कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों ने एक लघु नाटिका के माध्यम से भाई-बहन के रिश्ते की गंभीरता को प्रस्तुत किया। एक भावात्मक लघु नाटिका का सुंदर प्रस्तुतीकरण देखकर दर्शक बच्चे भाव विभोर हो उठे। उनके अंदर भी अपने भाई एवं बहन के प्रति एक अलग प्रेम उमड़ आया। प्रतिभागी बच्चों ने अपनी कला आपको सबके समक्ष प्रस्तुत करके अपने आप को सौभाग्यशाली माना एवं उनके अन्दर मंच पर अभिनय करने का उत्साह और भी बढ़ गया।

आजादी के अमृत महोत्सव के इस काल मे हमने स्वतंत्रता दिवस के दिन विद्यालय प्रांगण में बच्चों को एक देशभक्ति नृत्य नाटिका जो कि भारतीय सैनिकों की शहादत पर आधारित था का प्रस्तुतीकरण करवाया, तत्पश्चात एक देशभक्ति गीत जिसे कि हमारे संगीत के अध्यापक ने स्वयं ही लिखा एवं उसका संगीत दिया था, उससे भी बच्चों ने प्रस्तुत किया। मार्शल आर्ट के अध्यापक ने भी अपने बच्चों की बेहतरीन प्रस्तुति करवाई थी।समस्त प्रस्तुतियों से मंच के प्रति बच्चों के दिल में बैठा हुआ डर खत्म हुआ एवं उन्हें लोगों के समक्ष अपनी कला को प्रदर्शित करने का मौका प्राप्त हुआ।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों ने एक बहुत ही बेहतरीन लघु नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के बाल रूप से लेकर के युवा रूप का वर्णन करते हुए उनके अन्य लीलाओं का मंचन किया। श्री कृष्ण के जीवन के अच्छे विचारों से समस्त विद्यर्थियों को अवगत कराया जिससे कि उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। प्रतिभागी बच्चों ने अपने बोलने की क्षमता, नाटक करने एवं नृत्य करने की कला को भी बखूबी सीखा। इससे उनके अंदर एक आत्मविश्वास जगा। दर्शक बच्चों में श्री कृष्ण के जीवन का बहुत बड़ा प्रभाव रहा और उनमे भी अपने आप को एक कलाकार के रूप में मंच प्रदर्शन की भावना का विकास हुआ।

उक्त कार्यक्रम में कक्षा आठवीं से लेकर दसवीं तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें उन्होंने विज्ञान के अलग-अलग मॉडल बनाकर प्रस्तुत की और अपनी छुपी प्रतिभाओं को लोगों के समक्ष रखा। कार्यक्रम के अतिथि एजुकेशन काउंसलर फादर बीजू बेलकड़ा तथा सोसल वेलफ़ेयर काउंसलर फादर जोस प्रकाश एवं फिनेंस काउंसलर फादर पीटर ने सभी बच्चों की सराहना की। अन्य कक्षा के बच्चों को भी उस प्रदर्शनी में लाया गया था ताकि वे विज्ञान के नए-नए खोजो एवं आश्चर्य करने वाले मॉडल्स को देखकर कुछ सीख सकें। प्रदर्शनी में भाग लिए हुए बच्चों ने बनाए हुए वस्तु के बारे में ध्यान भी दिया जिससे उनके वैज्ञानिक ज्ञान एवं बोलने की क्षमता का विकास हुआ।

उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा आठवीं के समस्त छात्र-छात्राओं को विलेज एक्सप्लोर के लिए कलाल गाँव में ले जाया गया। जहाँ पर उन्हें ग्रामीण अन्य चीजों से अवगत कराया गया, जिससे कि वे अनभिज्ञ थे। कक्षा के सभी शिक्षक बच्चों के साथ मौज़ूद थे। वहाँ पर बच्चों ने मनोरंजनक खेल भी खेला। भारत एवं पकिस्तान के सीमावर्ती गाँवों के बारे मे बच्चों को अवगत करवाया गया। उक्त कार्यक्रम से समस्त बच्चों में अन्य प्रकार की जानकारियाँ बढ़ीं जिससे वे हर उस चीज को जान एवं समझ पाए जिससे कि वे अनभिज्ञ थे।

प्रार्थना सभा के उपरांत कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं ने सोशल मीडिया से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने हेतु एक लघु नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जिससे कि सभी बच्चों में सोशल मीडिया से होने वाले नकारात्मक परिणामों का पता चला और सब इस बात से जागरूक हुये की किस प्रकार से इससे बचा जा सकता है। प्रतियोगी बच्चों में मंच पर प्रस्तुति देने का साहस उत्पन्न हुआ एवं उनके भीतर का भय भी दूर हुआ।

प्रार्थना सभा के पश्चात कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों ने मदर टेरेसा जी के जीवन पर आधारित एक लघु नाटिका प्रस्तुत किया। बच्चों ने मदर टेरेसा द्वारा किए गए प्रमुख अच्छे कार्य को दर्शाया जिससे कि अन्य बच्चों में परहित का भाव उत्पन्न हो सके। लघु नाटिका प्रस्तुत करने वाले छात्र-छात्राओं के सांस्कृतिक स्तर का विकास हुआ एवं उन्हें अपने रचनात्मक कार्यों के प्रति आत्मबल प्रदान हुआ।

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर प्रदेश को तमिलनाडु प्रदेश के नृत्य एवं गीत के प्रस्तुतीकरण का मौका दिया गया। इसी उपलक्ष में हमारे विद्यालय की कक्षा नवीं की दो छात्राओं ने तमिल भाषी गीत एवं तमिलनाडु का शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम का प्रस्तुतीकरण दिया, जिसकी वीडियो रिकॉर्ड करके जिले के उच्च अधिकारियों को भेजी गई। इसका परिणाम यह आया की दोनों प्रतिभागी जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करके प्रदेश स्तर की प्रतिस्पर्धा में अपना स्थान बना चुके थे। इस कार्यक्रम से बच्चों ने तमिलनाडु के भाषा एवं नृत्य एवं गायन शैली को बखूबी सीखा एवं प्रस्तुत भी किया जिससे कि उनका मनोबल एवं आत्मविश्वास बढ़ा।

प्रर्थना सभा के पश्चात कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों ने एक लघु नाटिका के माध्यम से खेल के महत्व को दर्शाने का सफल प्रयास किया। बच्चों ने प्रमुख खिलाड़ियों का रुप लेकर उनकी भूमिका अदा करते हुए दर्शक विद्यार्थियों में खेल के प्रति रुझान को बढ़ाने की पूरी कोशिश की। उक्त क्रियाकलाप से पढ़ाई के साथ-साथ खेल के प्रति भी बच्चों का रुझान बढ़ा एवं नाटिका में भाग लिये बच्चों में एक नया आत्मविश्वास का निर्माण हुआ, जिससे कि वह लोगों के सम्मुख खड़े होकर अपनी बातों को निर्भीकता पूर्वक रख सकते हैं।

शिक्षक दिवस जो कि 5 सितंबर को मनाया जाता हैं परंतु बच्चों द्वारा दो दिन पहले ही प्रार्थना सभा में लघु नाटिका की प्रस्तुति के माध्यम से शिक्षक के महत्व को दर्शाया गया। इस दिन की सभा पूर्णता शिक्षक दिवस पर आधारित रही। कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों ने एक लघु नाटिका के माध्यम से शिक्षक के मुल्यों को सभी के समक्ष रखा। उक्त नाटिका से सभी छात्र छात्राओं के मन में शिक्षकों के प्रति और भी सम्मान बढ़ गया एवं उनकी सोंच में सुंदर बदलाव आया। प्रतिभागी बच्चों में लोगों से सामना करने का भय पूर्णतः दूर हुआ। प्रस्तुति देखने वाले विद्यार्थियों के भी मन में मंच पर अपनी कला को बिखेरने के भाव उत्पन्न हुए।

शिक्षक दिवस के अवसर पर बच्चों ने अपने बेहतरीन नृत्य एवं गायन की प्रस्तुति दी, जिसमें कि उन्होंने शिक्षक के महत्व एवं शिक्षक और विद्यार्थी के संबंध को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम से बच्चों में उत्साह का प्रभाव हुआ, जिसमे उनका मनोबल और भी बढ़ गया।

कक्षा नवीं के विद्यर्थियों ने दक्षिण भारत के प्रमुख पर पर्व से अवगत करवाया। प्रार्थना सभा के पश्चात बच्चों ने लघु नाटिका के माध्यम से ओणम पर्व के महत्व का वर्णन किया एवं छात्राओं ने केरला के लोक नृत्य की प्रस्तुति देकर ओणम पर्व के इस उत्सव को और भी बेहतरीन बनाया। उक्त कार्यक्रम से बच्चों का उत्साहवर्धन हुआ एवं उन्हें दूसरे राज्य के परंपराओं के बारे में जानने का सुनहरा मौका मिला। प्रस्तुति के दौरान उनके मन का भय भी दूर हो गया। दर्शक बच्चों में भी इस बेहतरीन मंचन का काफी प्रभाव पड़ा वे भी अपनी कला को लोगों के समक्ष दिखाने के लिए प्रेरित हुए।

उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा सातवीं के बच्चों ने एक लघु नृत्य नाटिका द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों के मन में शिक्षा के महत्व को और भी बढ़ा दिया। अपनी कला के माध्यम से उन्होंने लोगों को शिक्षा पर जोर देने के लिए प्रेरित किया। इस क्रिया से प्रतिभागी बच्चों के मन में अपने प्रति पूर्ण विश्वास हुआ कि वह सबके समक्ष अपनी बातों को निडर होकर रख सकते हैं और आगे भी बड़ी से बड़ी संख्या में दर्शकों का आमना सामना कर सकते हैं।

उक्त कार्यक्रम में कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों ने पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए वनों को बचाने एवं वनों की उपयोगिता ओं के बारे में अन्य छात्रों को समझाया। प्रार्थना सभा के पश्चात एक लघु नाटिका द्वारा वनों के महत्व को बताया गया। उक्त क्रियाकलाप से प्रतिभागियों को अपने आप को लोगों के समक्ष प्रस्तुत करने का मौका मिला तथा उन्होंने कला के अन्य बारीकियों को सीखा। दर्शक बच्चे भी उनकी तरह मंच पर आकर अपनी प्रस्तुति देने के लिए उत्साहित हुए।

"राष्ट्रीय हिन्दी दिवस" के शुभ अवसर पर विद्यालय में प्रार्थना सभा के पश्चात "हिन्दी-हिन्दी-हिन्दी भारत माँ की बिन्दी है" जैसे बेहतरीन गीत पर पर बच्चों ने उप शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति देते हुए लोगों में हिंदी के महत्व को जगाया। उक्त कार्यक्रम से अन्य विद्यार्थियों में हिन्दी के प्रति प्रेम और हिन्दी भाषा को पढ़ने की प्रेरणा मिली। लघु नृत्य नाटिका प्रस्तुतीकरण वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन हुआ और उन्हें मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन करने में जो पूर्व हिचक था वह अब लगभग खत्म हुआ।

प्रार्थना सभा के पश्चात कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत अभियान जो कि केंद्र सरकार द्वारा आयोजित एक महान अभियान है को अन्य विद्यार्थियों के समस्त रखने का एक सफल प्रयास किया। इस लघु नृत्य नाटिका के माध्यम से बच्चों ने बताया कि किस तरह से हम अपने आसपास की सफाई करते हुए पूरे भारत को स्वच्छ रखने का संकल्प कर सकते हैं। प्रस्तुति के माध्यम से बाल-विद्यार्थियों ने अपनी कला का कौशल अन्य विद्यार्थियो के समक्ष प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति के पश्चात उनके अंदर आगे भी ऐसे ही प्रस्तुतीकरण देने का भाव उत्पन्न हुआ।

कर्क दिवस के उपलक्ष में कक्षा छठवीं के बच्चों द्वारा प्रार्थना सभा के बाद एक लघु नृत्य नाटिका का भी मंचन हुआ जिससे कि अन्य बच्चों को कैंसर जैसी भयानक बीमारी के बारे में जानकारी हुई और उससे बचने के तमाम उपायों एवं अन्य आयामों पर चर्चा की गई। एक लघु नाटिका के माध्यम से कर्क रोग की जानकारी के साथ-साथ प्रस्तुत कर

रहे बच्चों को उनके क्रियाकलाप में बढ़ावा मिला और मंच से भयभीत बच्चों ने भी दर्शकों से आमना-सामना कर अपने कला का उम्दा नमूना पेश किया।
उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के हेड ब्वॉय एंड गर्ल सहित समस्त हाउस के इंचार्ज को उनके पद की शपथ दिलाई गई। जिसमें कि उन्हें उनके बैच भी प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि फादर थॉमस वेटाकर द्वारा विद्यालय के सभी बच्चों को उनके भविष्य तथा उनके सुंदर कार्य के लिए शुभकामनाएँ दी गई। उक्त कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका रोज़ मारिया मथाई जी ने किया। बच्चों ने प्रार्थना नृत्य एवं स्वागत गायन भी प्रस्तुत किये। प्रधानाचार्य सुजित मैथिव जी ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा सभी को धन्यवाद दिया।
प्रार्थना सभा के बाद कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों ने "समय का महत्व" जैसे बहुमूल्य विषय पर एक लघु नाटिका का मंचन किया। लघु नाटिका का उद्देश्य विद्यार्थियों में समय के महत्व को बताना था जिसमें वह सफल रहे। कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को दिखाने का एक शुभ अवसर प्राप्त हुआ जो कि बिना हिचके मंच पर डटे रहें। इससे उनका आत्मबल बड़ा और वह आगे के लिए प्रेरित हुए।
बच्चों के सर्वांगीण विकास को देखते हुए विद्यालय में क्रमशः खो-खो, बैडमिंटन, बास्केटबॉल जैसे अन्य कई खेलों की प्रतिस्पर्धा आयोजित हुई, जिसमें समस्त हाउस के खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम से बच्चों में खेल के प्रति रुचि बढ़ी एवं प्रतिस्पर्धा का माहौल बना रहा, जिससे सबने अपने आपको आगे देखने की इच्छा जाहिर की। इसका सकारात्मक प्रभाव सभी बच्चों के भविष्य को सवारने में काफी कारगर साबित होगा। प्रधानाचार्य ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।
केंद्र सरकार द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम कला उत्सव जिसमें की हमारे बच्चों ने जोनल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करके आगे की प्रतियोगिताओं के लिए जगह बना ली। मोनो एक्ट एवं भरतनाट्यम नृत्य के दोनों प्रतिभागियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
केंद्र सरकार द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम कला उत्सव जिसमें की हमारे बच्चों ने जिले स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करके आगे की प्रतियोगिताओं के लिए जगह बना ली। मोनो एक्ट एवं भरतनाट्यम नृत्य के दोनों प्रतिभागियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
बाल दिवस के इस अवसर पर हम सभी शिक्षकों ने मिलकर बच्चों के समक्ष एक नाट्य प्रस्तुत किया जिसके द्वारा हमने बच्चों को पढ़ाई के प्रति तथा एक अनुशासित बच्चा होने के लिये प्रोत्साहित किया। शिक्षकों द्वारा नृत्य भी किया गया जिससे बच्चों में एक अलग ही उत्साह का संचार हुआ। विद्यार्थियों का महत्व जैसे शीर्षक पर अभिभाषण भी दिए गये, जिससे कि उक्त दिवस के बारे में बच्चों को जागरूक किया गया।
विद्यालय का वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। प्रत्येक कक्षा के बच्चों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन दिए। गायन, नाटिका, लोक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य एवं बॉलीवुड विधा तथा नृत्य नाटिका सहित अन्य कई विधाओं की कला का प्रस्तुतीकरण करते हुए बच्चों के मनोबल मे काफ़ी वृद्धि हुयी। गार्जियन के समक्ष अपनी कला का प्रदर्शन करना भी एक महत्वपूर्ण पल होता है जो कि हमारे बच्चों को प्राप्त हुआ। सभी के भरपूर प्रयास से विद्यालय का वार्षिकोत्सव जिसका की शीर्षक "संस्कृति" था वह सफल हुआ।
केंद्र सरकार द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम कला उत्सव जिसमें की हमारे बच्चों ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करके प्रदेश स्तर की प्रतिस्पर्धा में भाग लिए। कार्यक्रम में मोनो एक्ट की प्रतिभागी को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ तथा शास्त्री नृत्य भरतनाट्यम की प्रतिभागी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। उक्त कार्यक्रम में प्रदेश भर के छात्र-छात्राओं से रूबरू होकर हमारे बच्चों ने काफी कुछ सीखा, उनके अंदर लोगों के सामने खड़े होकर अपने कला को प्रदर्शन करने की क्षमता का भरपूर विकास हुआ। प्रदेश में अपने स्थान को बनाकर वह गर्व महसूस किए, जिससे कि विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं के मन में भी उन जैसा कुछ कर गुजरने का भाव उत्पन्न हुआ।
"साइको इमोशनल ओरियंटेशन प्रोग्राम" उक्त कार्यक्रम में केरला से आगत फादर टोबी जी एवं उनकी टीम ने कक्षा सातवीं से लेकर दसवीं तक के समस्त छात्र एवं छात्राओं से बातचीत कर उनसे जुड़ी अन्य समस्याओं के बारे में जान एवं सुनकर उसके समाधान के बारे में बताया। सेमिनार में छात्रों के मनोबल एवं आत्मबल को बढ़ावा देने के तमाम उपाय भी बताएं और पढ़ाई तथा खेल में किस तरह से आगे हो सकते हैं, इन बिन्दुओं पर भी प्रकाश डाला गया। उक्त कार्यक्रम का समस्त बच्चों पर काफी प्रभाव पड़ा और उन्हें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर सुजीत मैथिव जी ने आगत समस्त टीम को धन्यवाद दिया।

उक्त कार्यक्रम में चारों हाउस से दस-दस बच्चों ने कैरोल सिंगिंग की प्रतिस्पर्धा में भाग लिया। गीत को उन्होंने स्वता ही क्रिसमस के उपलक्ष में तैयार किया था और सभी के सामने रखा। जिसमें की उनके अंदर प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ी एवं कुछ बेहतर करने का ख्याल आया। इससे प्रतिभागियों के आत्मबल में वृद्धि हुई।
क्रिसमस डे के अवसर पर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा पांचवी से लेकर दसवीं के बच्चों ने विभिन्न प्रकार के नृत्य प्रस्तुत किए। कैरोल सिंगिंग जैसे अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। बच्चों ने एक लघु नाटिका भी प्रस्तुत की जिसके द्वारा उक्त दिवस के उद्देश्य को बताने की कोशिश की सफ़ल कोशिश की गई, जिसमें लॉर्ड जीसस के जन्म की कथा को सबके समक्ष रखा गया। उक्त कार्यक्रम से प्रतिभागी बच्चों सहित अन्य दर्शक बच्चों में भी अपने आप को लोगों के समक्ष प्रस्तुत करने के उत्साह का संचार हुआ। प्रतिभागियों ने भी कला की बारीकियों को बड़े ही मन से सीखने का पूर्णतः प्रयास किया।
विद्यालय के कर्मठ प्रधानाचार्य आदरणीय फादर सुजित मैथिव जी के जन्म दिवस के अवसर पर सभी शिक्षकों एवं बच्चों ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं। कुछ विद्यार्थियों ने अपने नृत्य एवं गायन से उनका मनोरंजन किया। कार्यक्रम बहुत ही बेहतरीन रहा, सभी ने फादर के भविष्य के लिए मंगल कामना की। अंत में फादर जी ने सभी का धन्यवाद दिया।
गणतन्त्र दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम सभी शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने विद्यालय में ध्वजारोहण कर झंडे को सलामी देने के पश्चात राष्ट्रगान गाया तथा परेड एवं बैंड की प्रस्तुति के बाद हम सभी सामूहिक रूप से इस दिन को मनाने हेतु बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल नौशेरा पहुंचे। वहाँ हमारे विद्यालय के बाल गायन समूह ने एक देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया जोकि भगत सिंह जी सहित समस्त बलिदानियों को समर्पित था। गीत हमारे संगीत अध्यापक द्वारा लिखा एवं ताल बंद किया गया था। उक्त कार्यक्रम से बच्चों में दूसरे विद्यालय के शिक्षकों एवं बच्चों के समक्ष अपने प्रतिभाओं को रखने का विशेष मौका मिला जिससे कि उनके अंदर निर्भीकता का प्रवाह हुआ।
उक्त कार्यक्रम में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय दामोदरदास नरेंद्र मोदी जी द्वारा विद्यार्थियों से की गई बातचीत परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम को विद्यालय के सभी बच्चों एवं शिक्षकों ने एल.ई.डी. स्क्रीन पर लाईव देखा, जिससे कि उन्हें प्रधानमंत्री जी सहित देशभर के अन्य छात्र-छात्राओं से तथा उनके सवालों एवं उत्तरों से रूबरू होने का मौका मिला। समस्त बच्चों ने बड़े ही शांति पूर्वक पूरी सभा को सुना एवं उससे उन्होंने काफी कुछ सीखा, जो कि उनके आने वाले भविष्य की परीक्षाओं के लिए कारगर साबित होंगी। प्रधानाचार्य जी ने बच्चों को निर्देश दिया कि हमें प्रधानमंत्री जी द्वारा बताई गई उक्त बातों को अपने दिनचर्या में पालन करना चाहिये।
नौशेरा डे प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें कि हमारे बच्चों ने मंच संचालन का पूरा कार्यभार संभाला। नृत्य की छात्राओं ने कश्मीरी एवं सूफी की बेहतरीन प्रस्तुति शहीद नायक यदुनाथ सिंह जी को समर्पित करते हुए दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आठ विद्यालयों ने भाग लिया था जिनमें से प्रथम स्थान हमारे विद्यालय को प्राप्त हुआ और दस हज़ार की धनराशि एवं ट्रॉफी से हमें सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम से बच्चों में एक अलग ऊर्जा एवं निडरता की भावना जागृत हुई, जिससे वह अपने आने वाले हर कठिनाइयों से लड़ने की क्षमता को समझ सकते हैं।
उक्त कार्यक्रम में कक्षा नौवीं के चार छात्र-छात्राओं ने कक्षा छठवीं एवं सातवीं के समस्त बच्चों को पारिवारिक संबंध को किस तरह से बनाए रखने एवं परिवार में खुशियों भरा माहौल जैसे अन्य प्रमुख विषय पर जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम से सभी बच्चों में एक नैतिक जिम्मेदारी का ज्ञान हुआ एवं वर्कशॉप ले रहे बच्चों में आत्मविश्वास जगा, जिससे कि वे निडरता पूर्वक अपने आपको श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत कर सकें।
बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानाचार्य जी द्वारा विद्यार्थियों को "शैक्षिक भ्रमण" करवाया गया। जिसमें देश और विदेश भ्रमण दोनों शामिल रहे। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर दुबई के प्रमुख स्थानों पर बच्चों को ले जाया गया जहाँ पर उन्होंने वहां की संस्कृति सभ्यता सहित अन्य इमारतों और तकनीकों के बारे में जानकारी हासिल की। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर हैदराबाद में बच्चों ने प्रमुख ऐतिहासिक इमारतों, स्थानों सहित अन्य जगहों पर जाकर अपने ज्ञान मे वृद्धि की। उक्त शैक्षिक भ्रमण से बच्चों में आत्मबल एवं दुनिया को समझने की एक प्रायोगिक क्षमता का विकास हुआ।
क्राइस्ट स्कूल नौशेरा का एक और सपना सच हो गया, नया सिंथेटिक बास्केटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल कोर्ट और एथलेटिक ट्रैक और सन्त चावरा के नाम पर नया एकेडमिक ब्लॉक का उद्घाटन हुआ।

विश्व शिक्षक दिवस, संविधान दिवस, एड्स दिवस, आदि जैसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के दिनों के संबंध में छात्रों द्वारा विशेष सभाओं का आयोजन किया गया।

हमारे विद्यालय के पूर्व छात्र "हरजीत सिंह" जी एवं "सागर खोखर" जी ने जे.के.ए.एस. परीक्षा में अच्छे अंकों से सफल होकर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रधानाचार्य सुजित मैथिली जी द्वारा दोनों भावी अधिकारियों को शुभकामनाएँ दी गई। समस्त बच्चों ने उनके बारे में जाना एवं उनकी सफलता से उत्साहित होकर उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। बच्चों में भी बहुत कुछ कर गुजरने के उत्साह का प्रवाह हुआ।

ऐसे बच्चे हैं जिन्होंने स्कूल की सीमाओं से बाहर निकलकर विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्कूल का नाम रोशन किया है।

स्कूल की दीर्घकालीन सफलता के लिए समय-समय पर नियमित स्टाफ मीटिंग, पीटीएम का आयोजन किया गया। ईश्वर की कृपा और मार्गदर्शन के साथ, हम अपनी प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद करते हैं- हमारे शैक्षिक कार्यक्रमों में नवाचार, बौद्धिक महत्वाकांक्षी और शिक्षा में वैश्वीकरण। जैसे ही हम शैक्षणिक वर्ष 2022-23 की इस कहानी को समाप्त करते हैं, हम उस वर्ष को अलविदा कह देते हैं जो सन्त चावरा की भावना में आने वाला है और दुनिया का प्रकाश बनने वाला है।